RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 11 मई 2024 वर्ष 06 अंक 23 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

15 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी नागरिक गिरफ्तार

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

पीएम मोदी एक लटकती आत्मा हैं...

पवार पर प्रधानमंत्री के बयान पर संजय राऊत का कटाक्ष

मुंबईः पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी सहित पूरी महायुति पर लगातार तीखा हमला करनेवाले शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद व प्रवक्ता संजय राऊत ने पीएम मोदी पर एक विवादित बयान दिया है। राऊत ने प्रधानमंत्री मोदी एक लटकती हुई आत्मा कह दिया है। राऊत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना 4 जून को टूट जाएगा। उन्हें अब ये विश्वास हो गया है कि वे फिर से सत्ता में नहीं आने वाले हैं।

बता दें कि संजय राऊत ने शुक्रवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक लटकती हुई आत्मा हैं। जो कि यहां-वहां लटकती घूम रही है। उस लटकती हुई आत्मा के साथ हमारे महाराष्ट्र की पवित्र आत्माएं अपना स्वाभिमान और राष्ट्रीय हित त्याग कर कभी नहीं जाएंगी। राऊत ने आगे कहा कि दरअसल मोदी ये समझ नहीं पा रहे हैं कि वास्तव में वो कहां भटक रहे हैं। उनके बयान देखें, वह आज एक बात करते हैं, तो कल कुछ अलग बोलने लगते हैं। मुझे लगता है कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। भाजपा के उनके सहयोगियों को उनके स्वास्थ्य की अच्छे से जांच करानी चाहिए। उन्हें इलाज एवं आराम की जरूरत है।

मोदी के ऑफर का जवाब

गौरतलब हो कि राकां नेता शरद पवार ने लोकसभा चुनाव के बाद क्षेत्रीय पार्टियों के कांग्रेस में विलय की संभावना व्यक्त की थी। जिसके बाद पीएम मोदी ने शरद पवार व पूर्व उद्धव ठाकरे को महायुति में आने का ऑफर दिया था। मोदी के ऑफर का जवाब देते हुए राऊत ने कहा कि शरद पवार को समझने के लिए मोदी को 100 जन्म लेने पड़ेंगे। शरद और उद्धव कभी भी मोदी से नहीं डरेंगे। जो लोग डरे हुए थे वो मोदी के साथ चले गए हैं। मोदी की छवि रुपये की तरह गिरती जा रही है। मोदी का शरद को ऑफर दिया है। ऐसा प्रस्ताव देने वाला व्यक्ति बचकाना है। यह मोदी की बुद्धिमत्ता को दशार्ता है। बीते 10 वर्षों में मोदी ने देश के सपनों को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी को सत्ता से हटाना ही मेरा सपना है। हम देश से तानाशाही को हटाकर संविधान को बचाना चाहते हैं।' मोदी संविधान को खत्म करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें कुर्सी से नीचे उतारना हमारा सपना है।'',

पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

लखन भैया एनकाउंटर केस में नियमित जमानत

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने बहुचर्चित लखन भैया एनकाउंटर केस में पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा को दोषी करार दिया था। शर्मा को इस केस में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के बाद शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में नियमित जमानत के लिए याचिका दाखिल की थी। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शर्मा को नियमित जमानत दे दी है। जिसे शर्मा के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

संक्षिप्त विवरण

1. प्रदीप शर्मा ने मुंबई पुलिस बल से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लिया है।
2. प्रदीप शर्मा ने 312 एनकाउंटर किए और 100 से ज्यादा गुंडों को मार गिराया।
3. प्रदीप शर्मा द्वारा मारे गए लोगों में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी भी शामिल थे।

लखन भैया एनकाउंटर केस

राम नारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया को पुलिस ने 11 नवंबर 2006 को अंधेरी के सात बंगले में फर्जी मुठभेड़ में मार गिराया था। रामनारायण के वकील भाई एडवोकेट रामप्रसाद गुप्ता ने लगातार पैरवी के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में जांच के बाद मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में सेशन कोर्ट ने 11 पुलिसकर्मियों समेत 21 लोगों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। जबकि प्रदीप शर्मा को बरी कर दिया गया। रामप्रसाद गुप्ता और राज्य सरकार ने भी शर्मा को बरी करने के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। जबकि 11 पुलिसकर्मियों ने उम्रकैद की सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की थी। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस गौरी गोडसे की पीठ ने मामले पर संयुक्त सुनवाई के बाद 19 मार्च 2024 को इस मामले में अपना फैसला सुनाया था।

माहिम में आईआईटी कानपुर के 22 वर्षीय पूर्व छात्र ने आत्महत्या कि

मुंबई : कानपुर के 22 वर्षीय आईआईटी स्नातक रोहन कुमार झा ने बुधवार शाम माहिम में आत्महत्या कर ली। वह पिछले छह महीनों से मुंबई में एक बीमा फर्म में काम कर रहा था और कैंपस भर्ती के माध्यम से उसे यह पद मिला था। बुधवार शाम को रोहन का एक साथी अपने बेडरूम में काम कर रहा था, तभी उसने देखा कि रसोई का दरवाजा बंद है। कुछ गड़बड़ होने का अहसास होने पर उसने बार-बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित होकर उसने दूसरे दोस्त को सूचित किया और दरवाजा खोला, तो रोहन पंखे से लटका हुआ मिला। माहिम पुलिस ने आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अगे की जांच जारी

मुंबई का 'यह' चौक अब 'श्रीदेवी कपूर चौक' के नाम से जाना जाएगा!

बीएमसी का बड़ा फैसला...

मुंबई : यह कहने की जरूरत नहीं है कि दिवंगत बॉलीवुड अभिनेत्री श्रीदेवी का 80-90 के दशक में दबदबा था। 'हिम्मतवाला', 'मवाली' से लेकर 'लाडला', 'लम्हे', 'चालबाज', 'चांदनी', 'मिस्टर इंडिया' तक उनकी फिल्मों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। आज भी श्रीदेवी की लोकप्रियता उतनी ही है। 24 फरवरी 2018 को दुबई में उनका निधन हो गया। उनकी मौत की खबर से हर कोई हैरान रह गया। बृहन्मुंबई नगर निगम लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में एक चौराहे का नाम श्रीदेवी के नाम पर रखेगा ताकि उनके द्वारा किए गए काम के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि बीएमसी ने लोखंडवाला

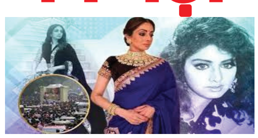

कॉम्प्लेक्स में एक खास चौराहे को 'श्रीदेवी कपूर चौक नाम दिया है। यह श्रीदेवी को श्रद्धांजलि देने के लिए है।' दरअसल यह मांग रहवासियों और नगर पालिका की ओर से की गई थी। लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के उस चौराहे का नाम श्रीदेवी कपूर के नाम पर रखने का फैसला अहम है। क्योंकि श्रीदेवी वहां ग्रीन एकर्स टावर में रहती थीं। इतना ही नहीं उनके शव को भी उसी जगह से ले जाया गया।

इसी बीच बोनी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। उस इंटरव्यू में बोनी कपूर से श्रीदेवी की जिंदगी पर आधारित बायोपिक बनाने के बारे में पूछा गया था, इसका जवाब देते हुए बोनी कपूर ने कहा कि वह एक प्राइवेट पर्सन हैं इसलिए उनकी जिंदगी प्राइवेट ही रहनी चाहिए। इस कारण जब तक मैं जीवित हूँ, ऐसा नहीं होने दूंगा। इसी बीच फिल्म 'चमकीला' की रिलीज के बाद श्रीदेवी से जुड़ी एक और खबर सामने आई। वह दिवंगत गायिका चमकीला की प्रशंसक थीं। उन्होंने चमकीला के साथ काम करने की काफी कोशिश की थी।

यह पहली बार नहीं है कि किसी चौराहे का नाम किसी कलाकार के नाम पर रखा गया जायेगा। इससे पहले अमिताभ बच्चन, राज कपूर समेत कई कलाकारों के नाम पर विभिन्न जगहों के नाम रखे गए हैं।

गोखले पुल के दूसरे गर्डर के काम में देरी, 30 सितंबर की नई डेडलाइन

मुंबई : अंधेरी ईस्ट-वेस्ट को जोड़ने वाले गोखले ब्रिज के दूसरे बीम (गर्डर) के सभी स्पेयर पार्ट्स अभी तक मुंबई नहीं आए हैं। इसके चलते दूसरी बीम लगाने का काम करीब तीन माह विलंबित हो गया है। इस काम के लिए 30 सितंबर तक की डेडलाइन दी गई है और रेलवे क्षेत्र में काम पूरा करने के लिए 15 नवंबर की डेडलाइन दी गई है। इसके चलते पुल का कार्य शेड्यूल साढ़े पांच माह टल गया है।

26 फरवरी को गोखले ब्रिज की एक साइड खुलने के बाद मुंबईकर दूसरी साइड खुलने का इंतजार कर रहे हैं। निर्माण शुरू होने के बाद एक तरफ का रास्ता खुलने में 15 महीने लग गए। अप्रैल की शुरूआत में, दूसरी तरफ के लिए बीम के हिस्से दिल्ली से लाए जाने लगे। इसलिए 31 मई तक पहुंच पथ बनाने और 31 दिसंबर तक पूरा पुल खोलने

की योजना है. दूसरी बीम के कुछ हिस्से आ गए हैं और उन्हें जोड़ने का काम चल रहा है. लेकिन सभी पार्ट्स नहीं आने से ये सभी योजनाएं ध्वस्त हो गयी हैं. अब नए शेड्यूल के मुताबिक 30 सितंबर को दूसरी बीम लगाई जाएगी। 15 नवंबर तक रेलवे सीमा के अंदर काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इसलिए पूरे पुल को यातायात के लिए खोलने में साढ़े पांच महीने की देरी होगी. एक्सटेंशन बीम के स्पेयर पार्ट्स देरी से आने के कारण नगर निगम प्रशासन ने ठेकेदार पर जुर्माना लगाते हुए स्पष्टीकरण मांगा था। ठेकेदार ने खुलासे के साथ नया शेड्यूल भी दिया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिंदू-मुस्लिम आबादी...

आज भारत की जनसंख्या 144 करोड़ से अधिक है, जो विश्व में सर्वाधिक है। हालांकि 2021 में जनगणना नहीं की जा सकी, क्योंकि वह कोरोना वैश्विक महामारी का दौर था। जनगणना 2011 में की गई थी, उसके बाद 13 लंबे साल गुजर चुके हैं, लेकिन कोई अधिकृत जनगणना नहीं हुई है। 2011 में हिंदू आबादी 79.80 फीसदी थी, जबकि मुस्लिम आबादी 14.20 फीसदी थी। मुसलमानों की बढ़ोतरी दर करीब 25 फीसदी थी, जबकि हिंदुओं की बढ़ोतरी दर करीब 17 फीसदी थी। यानी हिंदुओं की तुलना में मुसलमान बढ़ रहे थे। आजादी के बाद 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। अब तो यह आंकड़ा भी बदल चुका होगा! गौरतलब तथ्य यह है कि 1951 से आज तक मुसलमानों की आबादी एक बार भी नहीं घटी, लगातार बढ़ती रही है। अब प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक रपट के जरिए चौंकाने वाले आंकड़े और रुझान सामने आए हैं। रपट में 1950 से 2015 तक जनसंख्या के रुझान के आंकड़े दिए गए हैं। ये इस कालखंड में जनगणना के दौरान भी सामने आए होंगे! तो फिर आर्थिक सलाहकार परिषद की ऐसी रपट तब क्यों सार्वजनिक की गई, जब आम चुनाव, 2024 के तीन चरण के मतदान सम्पन्न हो चुके हैं? लोकसभा की 282 सीटों, करीब 52 फीसदी, पर जनादेश ईवीएम में दर्ज हो चुका है। रपट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिंदू आबादी 84.68 फीसदी से घट कर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिंदू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिंताजनक और विस्फोटक हो सकता है! भारत इंडोनेशिया, मलेशिया, सूडान, सर्बिया आदि देशों में आबादी के असंतुलन के कारण विभाजन देख चुका है। देश दोफाड़ हुए हैं और नए देश बने हैं। इंडोनेशिया कभी हिंदू, बौद्ध बहुल देश था, लेकिन आज दुनिया के सबसे अधिक मुसलमान इंडोनेशिया में ही रहते हैं और बौद्ध अल्पसंख्यक हो गए हैं। भारत में मुसलमान आबादी में वे शामिल नहीं हैं, जो जनगणना जैसे अभियानों का बहिष्कार करते रहे हैं। 65 साल की मुस्लिम आबादी में रोहिंग्या भी शामिल नहीं हैं।

इस लिहाज से मुस्लिम आबादी की बढ़ोतरी अधिक हो सकती है। रपट के मुताबिक, हिंदुओं के साथ-साथ जैन और पारसी की आबादी भी घटी है। मुसलमानों के अलावा सिख, बौद्ध, ईसाई की आबादी बढ़ी है। जैन, पारसी, ईसाई, बौद्ध, सिख समुदाय भी अल्पसंख्यक वर्ग में आते हैं। देश में पारसियों की आबादी तो करीब 57000 बताई जाती है, लेकिन उन्होंने अपने अधिकारों के लिए कभी भी जन-आंदोलन नहीं छेड़े। मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ती रही है, इसके बुनियादी कारण बांग्लादेश से घुसपैठ, धर्मान्तरण, मुस्लिम सांसदों, नेताओं द्वारा ज्यादा बच्चे पैदा करने के आह्वान, 'पालन-पोषण तो अल्लाह करेंगेह्न जैसी सोच, 2011 तक ज्यादा प्रजनन दर, अशिक्षा, अज्ञानता आदि हैं। यह बढ़ोतरी देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई/ मुलुंड में नाकाबंदी के दौरान 47 लाख कैश मिले

मुंबई: नाकाबंदी के बीच मुंबई को इस समय भारी मात्रा में नकदी मिल रही है। गुरुवार को मुलुंड इलाके में पुलिस ने एक कार से 47 लाख कैश जब्त किया और पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है. चुनाव की पृष्ठभूमि में सभी थाना क्षेत्रों की सीमाओं पर नाकेबंदी की गयी है. मुलुंड में बी. आर। मुलुंड पुलिस ने गुरुवार शाम को सड़क क्षेत्र की घेराबंदी कर दी थी। इसी समय एक कार वहां आई। पुलिस ने शक के चलते तुरंत कार रोकी. जब कार की जांच की गई तो पुलिस को उसमें 47 लाख रुपये कैश मिले. पुलिस ने पैसे, कार और ड्राइवर को जब्त कर लिया है और पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

माहिम में फ्लैट खरीदने के बावजूद फ्लैट नहीं देने के मामले में बिल्डर पर एफआईआर

मुंबई : माहिम पुलिस ने मोरपेरिया एंड के खिलाफ पैसे लेकर फ्लैट न देने के मामले में एफआईआर दर्ज किया है। आरोपी से शिकायतकर्ता ने दस फ्लैट खरीदे थे, जिसके लिए पांच करोड़ से भी अधिक रुपए लिए गए। लेकिन बाद में उन्हें फ्लैट नहीं दिया गया। पैसे लेने के बाद कथित तौर पर फ्लैट किसी और को बेच दिया गया। जिसकी शिकायत महिला ने थाने में की। शिकायत के मुताबिक महिला के दिवंगत पति फतेह चंद भंसाली और बेटी संगीती जैन, मे. मोरपोरिया एंड रांका कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ अरिहंत टावर्स, प्लॉट नंबर 1038, माहिम डिवीजन, वीर सावरकर मार्ग, मुंबई में कुल 10 फ्लैट खरीदे थे दिनांक 25 अनुसार उक्त निर्माण कंपनी को मई तक कुल पांच करोड़ पच्चास लाख रुपए का भुगतान किया। शिकायत के मुताबिक मोरपोरिया एंड रंका कंस्ट्रक्शन कंपनी ने उनके साथ 10 फ्लैटों की खरीद के संबंध में पंजीकरण किए बिना, उक्त भवन को लगभग 10 वर्षों की देरी से 2003 में पूरा किया। शिकायतकर्ता के बार-बार बोलने के बावजूद उनसे खरीदे गए फ्लैटों के झुठे दस्तावेज बनाये और दूसरे किसी को बेच दिया। कुछ फ्लैट ऐसे हैं जो उचित दामों में भाड़े पर दिए गए हैं। लाभ के लिए पारस्परिक रूप से फ्लैट बेचकर और 25 अप्रैल 1996 के समझौते को रद्द किए बिना उसे बेच दिया गया। धोखाधड़ी का एहसास होने पर में. मोरपोरिया और रांका कंस्ट्रक्शन कंपनी और उक्त कंपनी के भागीदार के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

शिवसेना यूबीटी की रैली में मौजूद था 1993 मुंबई धमाके का आरोपी, भाजपा का बड़ा आरोप

महाराष्ट्र : लोकसभा चुनाव 2024 के बीच महाराष्ट्र से हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट पर बड़ा हमला करते हुए दावा किया है कि उनके उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर की चुनावी सभा में 1993 के सिलसिलेवार बम धमाकों का आरोपी इकबाल मूसा उर्फ बाबा चौहान मौजूद था। इस खबर ने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि इस काम के लिए शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे को शर्म आनी चाहिए।

बालासाहेब की आत्मा क्या सोच रही होगी?- भाजपा

महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने इस मामले में शिवसेना यूबीटी पर हमला करते हुए उद्धव ठाकरे से माफी मांगने को कहा है। बावनकुले ने कहा कि जब उद्धव सीएम थे तब 1993 धमाकों में दोषी याकूब मेमन की कब्र का सौंदर्यीकरण किया गया था। इसके अलावा औरंगजेब और टीपू सुल्तान का महिमामंडन करने का प्रयास किया गया। बावनकुले ने कहा कि आज मुंबई धमाकों का आरोपी उनके उम्मीदवार का प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे की आत्मा आज क्या महसूस कर रही होगी? वह बालासाहेब ठाकरे ही थे जिन्होंने 1993 के धमाकों के बाद मुंबई की रक्षा की थी।

अमोल कीर्तिकर ने अपना पल्ला झाड़ा

हालांकि, भाजपा के इन आरोपों से शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। अमोल कीर्तिकर ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि वह इकबाल मूसा को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई आरोपी मेरी रैली में शामिल हो रहा है तो इसे रोकने की जिम्मेदारी राज्य के गृह विभाग की है। बता दें कि कीर्तिकर महाराष्ट्र की मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई धमाकों के आरोपी इकबाल मूसा ने पूरे मामले पर सफाई दी है। उसने कहा है कि वह चुनावी रैली का हिस्सा नहीं था और एक पार्षद से मिलने के लिए रैली स्थल पर गया था। मूसा ने कहा कि मैं कीर्तिकर को नहीं जानता। मैं एक बार उनसे एक विवाह समारोह में दो मिनट के लिए मिला था। मूसा ने ये भी कहा कि वह मुंबई धमाकों में शामिल नहीं था। वह 2016 से घर पर है। लोग जो कहना चाहें कह सकते हैं।

नदी में डूबने से मौत... 7 लोग डूबे, 3 बच्चे भी शामिल

कोल्हापुर : महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जिलों में दोपहर में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है। इस बीच, कोल्हापुर जिले में तीन बच्चों समेत सात लोग गर्मी से राहत पाने की कोशिश में हादसे का शिकार बन गया। रिपोर्ट के अनुसार, जिले के तीन इलाकों में तपन से राहत पाने गए सात लोग डूब गए। ये घटनाएं जिले के गढ़िंगलाज, चांदगढ़ और शिरोल तहसील में हुईं। जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है। बताया जा रहा है कि सभी गर्मी के चलते नहाने के लिए गए थे। पहली घटना मंगलवार सुबह अजरा तहसील के हरुर और गजरगांव के बीच बने बांध के पास हुई। सुले गांव के एक परिवार के तीन सदस्य हिरण्यकेशी नदी में नहाने गए थे और डूब गए। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। दूसरी घटना में दो लड़कियों के साथ एक पूर्व सैनिक डूब गया। बताया जा रहा है कि वह दोनों लड़कियों को बचाने की कोशिश में काल के गाल में समा गए। यह दर्दनाक घटना मंगलवार शाम चांदगढ़ तहसील के कारेकुंडी गांव में हुई।

अंडरवियर में छुपाकर मरीजों के लिए लाई जा रही शराब जब्त

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से सटे उपनगर उल्हासनगर के एक अस्पताल में मरीजों के लिए शराब, गांजा, गुटका और तंबाकू लाने का मामला सामने आया है। यहां के केंद्रीय अस्पाल में जिला सर्जन डॉ. मनोहर बनसोडे ने जब अस्पताल में देखा कि हर जगह गुटका थूकने के निशान हैं तो फौरन मरीजों की चेकिंग का आदेश दे डाला। इस दौरान जहां कई मरीजों के पास से गुटखा और तंबाकू जैसी वस्तुएं मिलीं। वहीं एक मरीज के रिश्तेदार के पास से शराब की बोतल बरामद हुई, जिसे उसने डॉक्टरों को देखते ही अपने अंडरवियर में छुपा लिया था। अस्पताल प्रशासन ने ऐसी हरकत करने वाले सभी मरीजों के परिजनों के खिलाफ एक्शन लेने का फैसला लिया है। अस्पताल कर्मचारियों के मुताबिक, इस अस्पताल में दिन में हजारों मरीज चेकअप के लिए आते हैं, जो मरीज भर्ती हैं, उनके परिजन भी उनसे मिलने आते हैं। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में काफी सुविधाएं हैं। जिस कारण यहां कर्जत, कसारा, शाहपुर, मुरबाड, अंबरनाथ, बदलापुर सहित ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों नागरिक इलाज के लिए आते हैं।

प्रदूषण फैलाने वाली 4 आरएमसी परियोजनाओं पर कार्रवाई, अनाधिकृत निर्माण पर केस दर्ज...

वसई: नगर पालिका ने प्रदूषण फैलाने वाले राजमार्गों पर 4 सीमेंट कंक्रीट (आरएमसी) परियोजनाओं के अनधिकृत निर्माण के मामले दर्ज किए हैं। ये अपराध महाराष्ट्र शहरी नियोजन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत नायगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए हैं। नगर पालिका के विशेष नियोजन प्राधिकार ने यह कार्रवाई की है. जिन परियोजनाओं को बुक किया गया है उनमें आरएमसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, स्काईलैंड आरएम ई इंफ्रा, एमई इंफ्रा और सुपर आरएमसी बुलडकॉन प्राइवेट शामिल हैं। लिमिटेड में 4 कंपनियां शामिल हैं।

मुंबई अहमदाबाद हाईवे पर चल रहे सिमेंट कंक्रीट के आरएमसी प्रोजेक्ट से भारी मात्रा में प्रदूषण पैदा हो रहा है. इस फैक्ट्री से प्रतिदिन भारी वाहन, मिक्सर व रेत के वाहन आते-जाते रहते हैं। पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में परियोजनाओं द्वारा किसी भी नियम का पालन नहीं किया जाता है। साथ ही प्रदूषण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण इस फैक्ट्री से लगातार धूल प्रदूषण हो रहा है. इस बढ़ती धूल और प्रदूषण के कारण हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है और इसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ने लगा है। प्रदूषण फैलाने वाली इन परियोजनाओं की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ऐसी परियोजनाओं के खिलाफ नोटिस जारी किया था। वसई विरार नगर निगम ने भी अब इन परियोजनाओं के खिलाफ सख्त

कार्रवाई शुरू कर दी है।

वसई विरार नगर निगम के विशेष योजना प्राधिकरण विभाग ने अनधिकृत निर्माण के लिए राजमार्ग पर मालजीपाड़ा गांव में 9 में से 4 परियोजनाओं के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, ये अपराध महाराष्ट्र क्षेत्रीय और नगर नियोजन अधिनियम की धारा 52, 53, 54 के तहत दर्ज किए गए हैं। 1966. जिन परियोजनाओं को बुक किया गया है उनमें आरएमसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, स्काईलैंड आरएमई इंफ्रा, एमई इंफ्रा और सुपर आरएमसी बुलडकॉन प्राइवेट शामिल हैं। लिमिटेड में 4 कंपनियां शामिल हैं। 2018 में, इन परियोजनाओं को महाराष्ट्र क्षेत्रीय और नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धाराओं के तहत अधिसूचित किया गया था। हालाँकि, उन्होंने कोई दस्तावेज जमा नहीं किया। नगर पालिका द्वारा किए गए निरीक्षण में यह पाया गया कि परियोजनाओं का निर्माण अनधिकृत था और अवैध शीट शेड बनाए गए थे। इसलिए विशेष योजना प्राधिकरण के प्रभारी सहायक आयुक्त मोहन नाजरी ने बताया कि इन 4 परियोजनाओं के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव के बाद अन्य 5 प्रोजेक्टों पर भी केस दर्ज कराया जायेगा.

इन 4 परियोजनाओं के खिलाफ अपराध दर्ज किए गए थे

1) आरएमसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड
मालिक रतन सिंह
कहां– मालजीपाड़ा सर्वे नंबर 52, शेयर नंबर, 1,2 4
कुल निर्माण– 72 हजार 436 वर्ग फीट
2) स्काईलैंड आरएमई इंफ्रा
मालिक– मावाराम पटेल, नरेश नर और अन्य
कहां– मालजीपाड़ा, सर्वे नंबर 45/2 50/1
आरएमसी प्लांट में अनधिकृत निर्माण कर पेपर शेड बनाया गया था।
कुल निर्माण– 58 हजार 400 फीट
3) एमई इंफ्रा
मालिक– पीयूष मेहता
कहां– मालजीपाड़ा, सर्वे नंबर 50, प्लॉट नंबर 1
कुल निर्माण– 61 हजार 864 वर्गफीट का निर्माण
4) सुपर आरएमसी बुलडकॉन प्रा. आप छक्टक्ळ
मालिक– सुरेश देवासी
कहां– मालजीपाड़ा, सर्वे नंबर 45 /1, 52/1,52/4
कुल निर्माण– 36 हजार 860 फीट

वसई/ डीएम पेटिट अस्पताल की पहली सफल ब्रेन सर्जरी

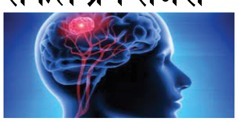

वसई : विरार वसई विरार शहर महानगरपालिका के सबसे पुराने अस्पताल डीएम पेटिट अस्पताल में पहली मस्तिष्क सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इस सर्जरी ने वीवीसीएमसी में बड़ी बीमारी की सर्जरी का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब तक आरोप लगता था कि वीवीसीएमसी अस्पताल में अच्छा इलाज नहीं मिल रहा है, इस सफल सर्जरी ने मनपा के सिर पर एक रत्न जड़ दिया है। महानगर पालिका का सबसे पुराना अस्पताल डीएम पेटिट हॉस्पीटल के नाम से जाना जाता है, जहां अब तक छोटी-बड़ी बीमारियों का इलाज होता था। साथ ही इस अस्पताल में प्रसव कराने वाली महिलाओं की भी भीड़ लगी रहती है। इस पृष्ठभूमि में, अस्पताल में पहली बार मस्तिष्क की सर्जरी की गई। महानगरपालिका के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को लकवा मार गया।

पुणे में जनवरी से मार्च तक 382 हादसे, 92 लोगों की मौत !

पुणे: पुणे में सड़क हादसों की गंभीर समस्या एक बार फिर सामने आ गई है. इस साल जनवरी से मार्च तक शहर में 382 हादसे हो चुके हैं, जिनमें 92 लोगों की मौत हो चुकी है. शहर में प्रतिदिन एक व्यक्ति को सड़क दुर्घटना में अपनी जान गंवानी पड़ती है, प्रतिदिन चार दुर्घटनाएं हो रही हैं. इस बीच सरकारी एजेंसियों की ओर से दावा किया जा रहा है कि ब्लैक स्पॉट पर उठाए गए कदमों से आकस्मिक मौतों में कमी आई है.

हाईवे पुलिस ने हादसों के आंकड़े जारी किए हैं. इस साल जनवरी से मार्च तक पुणे शहर में 382 हादसे हुए और इनमें 92 लोगों की मौत हो गई. पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दुर्घटनाओं की संख्या में 77 की वृद्धि हुई है और मौतों में 13 की कमी आई है। इस साल जनवरी से मार्च के बीच पुणे के ग्रामीण इलाकों में 507 हादसे हुए हैं और 221 लोगों की मौत हो गई है. पिछले वर्ष की तुलना में दुर्घटनाओं में 84 की वृद्धि हुई

है और मौतों में 14 की कमी आई है। हालांकि इस साल जनवरी से मार्च की अवधि में आकस्मिक मौतों में कमी आई है, लेकिन शहर में हर दिन एक व्यक्ति की मौत हो रही है और ग्रामीण इलाकों में हर दिन दो से तीन लोगों की मौत हो रही है। इसलिए, दुर्घटनाओं और आकस्मिक मौतों को रोकने के लिए दीर्घकालिक उपायों की मांग की जा रही है।

इस पृष्ठभूमि में बोलते हुए, प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजीव भोर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लैकस्पॉट को संबोधित करने के लिए सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से कदम उठाए गए हैं। इसके तहत क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा पुणे-सोलापुर, पुणे-नगर, पुणे-कोल्हापुर, पुणे-मुंबई सड़कों का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण में ब्लैकस्पॉट स्थान पर समस्याओं की पहचान की गई। इसके बाद तुरंत उठाए जाने वाले कदमों की योजना तैयार की गई. इस योजना के अनुसार, प्रमुख सड़कों पर तत्काल उपाय किए गए हैं।

पुणे में दुर्घटनाएं

अवधि – प्रकरण – दुर्घटना – मृत्यु
जनवरी से मार्च 2023 : शहर : 305 : 105
जनवरी से मार्च 2024 : शहर : 382 : 92
जनवरी से मार्च 2023 : ग्रामीण : 423 : 235
जनवरी से मार्च 2024 : ग्रामीण : 507 : 221

ठाणे में 3 हजार 748 लाइसेंसी आग्नेयास्त्र जब्त किए गए

ठाणे: चुनाव आचार संहिता लागू होते ही ठाणे पुलिस ने लाइसेंसी आग्नेयास्त्रों को जब्त करना शुरू कर दिया है। ठाणे कमिश्नरेट क्षेत्र में 4 हजार 457 लाइसेंसी आग्नेयास्त्र हैं। इनमें से 3 हजार 748 असलहे पुलिस ने जब्त कर लिए हैं. कुछ महीने पहले विधायक गणपत गायकवाड़ ने शिंदे गुट के पदाधिकारी महेश गायकवाड़ पर लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग की थी. इसके बाद पुलिस ने लाइसेंसी आग्नेयास्त्रों को लेकर एहतियाती कदम उठाए हैं।

ठाणे जिले में ठाणे, कल्याण और भिवंडी लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र का अधिकांश भाग ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। ठाणे से बदलापुर और भिवंडी शहर का कुछ हिस्सा ठाणे सिटी पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में आता है। जबकि इन लोकसभा सीटों के बाकी हिस्से ठाणे ग्रामीण, मीरा भयंदर और नवी मुंबई इलाके में आते हैं। चुनाव आचार संहिता की अवधि के दौरान शस्त्र लाइसेंस धारकों को अपने शस्त्र पुलिस थाने

में जमा कराना अनिवार्य है। चुनाव के दौरान आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा. इसका उपयोग आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने वाले मतदाताओं को किसी विशेष पार्टी के लिए वोट करने के लिए प्रभावित करने, डराने या मजबूर करने के लिए किया जा सकता है। इसलिए, कानून और व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव के निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय के रूप में पुलिस द्वारा इन आग्नेयास्त्रों को जब्त कर लिया जाता है।

ठाणे कमिश्नरेट क्षेत्र में कुल 4 हजार 457 लाइसेंसी आग्नेयास्त्र हैं। इनमें से 3 हजार 748 आग्नेयास्त्र जब्त किये गये हैं. हालाँकि, कुछ को सुरक्षा कारणों से बाहर रखा गया है। कुछ को सुरक्षा कारणों से हथियार ले जाने के लिए मजबूर किया जाता है। बैंक सुरक्षा गार्ड और सुरक्षा एजेंसियों के सशस्त्र कर्मियों, ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मचारियों और अंगरक्षकों को हथियार ले जाने से छूट दी गई है। उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में बीजेपी विधायक गणपत गायकवाड ने शिंदे गुट के महेश गायकवाड पर अपनी बंदूक से फायरिंग कर दी. हालाँकि महेश गायकवाड तो बच गए लेकिन इस घटना से पूरे राज्य में उत्तेजना फैल गई.

पुणे में दोस्त को हॉस्टल की लड़कियों की तस्वीर भेजने वाली छात्रा गिरफ्तार

मुंबई : पुणे पुलिस ने शहर की एक महिला इंजीनियरिंग छात्रा के खिलाफ अपने छात्रावास में लड़कियों की तस्वीरें खींचने और उन्हें अपने पुरुष दोस्तों के साथ शेयर करने के आरोप में मामला दर्जकर गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि लड़की और उसके मेल फ्रेंड पर ताक-झांक का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि आरोपी लड़की शहर के शिवाजीनगर इलाके के एक प्रसिद्ध कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है और कॉलेज की हॉस्टल में ही रहती है। उन्होंने बताया कि कॉलेज संस्थान को इस बारे में शिकायतें मिली थीं।

उन्होंने कहा, लड़की ने अपने हॉस्टल रूममेट्स की तस्वीरें खींची और उन्हें कैंपस के बाहर एक मेल फ्रेंड के साथ शेयर किया। संस्थान ने जांच की और बाद में शिकायत के साथ पुलिस से संपर्क किया। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि हमने कुछ तस्वीरें देखीं। लेकिन पाया गया कि वे तस्वीरें आपत्तिजनक नहीं थी, हालांकि इन तस्वीरों को मेल फ्रेंड के साथ उसके रूममेट्स की जानकारी के बिना शेयर किया गया था। उन्होंने कहा कि छात्रा और उसके मेल फ्रेंड के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और इन्फोर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रिश्वत कांड के बाद पुरातत्व विभाग प्रशासन चर्चा में है

नासिक : डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत के मामले में पुरातत्व विभाग की सहायक निदेशक आरती आले और पुरातत्व निदेशालय के निदेशक तेजस गर्गे के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने मामला दर्ज किया है। शहर में कई वर्षों से चल रहे सुंदर नारायण मंदिर, जिले के हेमाडपंथी मंदिर, देवस्थान आदि मंदिरों के मरम्मत कार्य को लेकर पुरातत्व विभाग के कार्यों पर सवाल उठ रहे हैं. पुरातत्व विभाग छह साल से अधिक समय से संडे फाउंटेन के पास सुंदर सुंदर नारायण मंदिर के पुनर्निर्माण पर काम कर रहा है। कोरोना के कारण दो साल तक काम बंद रहा। यह कार्य संदिग्ध बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत की है. मंदिर के शिखर को नीचे उतारते समय मंदिर पर लगे सुंदर नक्काशी वाले पत्थर, मार्गदर्शक पत्थर गायब हैं। कहते हैं कि सुन्दर पत्थर, मूर्ति बिक गयी। जब हमने इस बारे में स्थानीय संबंधित विभाग से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ पत्थर पंडावलेनी में हैं.

कस्टम विभाग द्वारा जब्त किए गए कंटेनर से 42 लाख के कपड़े की चोरी

मुंबईः कस्टम ड्यूटी चोरी कर चीन से आए एक कंटेनर से 42 लाख के कपड़े चोरी होने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस कंटेनर को 2022 में जब्त कर शिवडी के एक गोदाम में रखा गया था. इस मामले में कस्टम विभाग ने शिवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और शिकायत के आधार पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है.

चन्द्रशेखर रासबिहारी सिंह सीमा शुल्क विभाग, पवई में मूल्यांकन अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में यह शिवडी में एमओडी एमबीपीटी में है। फरवरी 2022 को चीन से आयातित कपड़ों का एक कंटेनर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जब्त कर लिया था. कपड़ों से भरा कंटेनर शिवडी में कस्टम विभाग के गोदाम में रखा गया था. आशंका है कि 10 फरवरी 2022 से 9 अक्टूबर 2023 के बीच किसी अज्ञात चोर ने गोदाम में घुसकर चोरी की. जनवरी से जून 2022 के बीच गांव में बाहर से विभिन्न कंपनियों के आठ कंटेनर आए। सीमा शुल्क का भुगतान न करने पर कंटेनर और उसकी सामग्री को जब्त कर लिया गया।

बाद में पता चला कि इन कंटेनरों में से कुछ सामान चोरी हो गया था। पंचनामे के दौरान ओम साईं इंटरप्राइजेज द्वारा आयातित माल और चोरी के बाद जब्त किये गये माल में भारी अंतर पाया गया. इसलिए, यह देखा गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने संबंधित कपड़े चुरा लिए हैं। यह स्थिति सामने आते ही कस्टम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की. पता चला कि पिछले डेढ़ साल में 42 लाख 42 हजार 104 रुपये के कपड़े चोरी हो गये. इस संबंध में एक रिपोर्ट बाद में वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई। इन अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए चन्द्रशेखर सिंह को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का आदेश दिया था. इस आदेश के बाद उन्होंने शिवडी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है.

15 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने ड्रग तस्करी के संदेह में 38 वर्षीय एक विदेशी नागरिक को हिरासत में लिया है। विदेशी नागरिक के पेट से कोकीन से भरे 77 कैप्सूल बरामद हुए. इस कोकीन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपये है. इस मामले में आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया और डीआरआई इस संबंध में आगे की जांच कर रही है. विदेशी नागरिक का नाम कौमे डेनिस (58) है और वह नाइजीरिया का मूल निवासी है। वह आइवरी कोस्ट पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा था। डेनिस 6 मई को कोचीन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। उसे तस्करी के संदेह में हिरासत में लिया गया था. अधिकारियों को उसके पेट में नशीली दवाओं की मौजूदगी का संदेह था. इसलिए कोर्ट से उनकी मेडिकल जांच कराने की इजाजत मांगी गई थी.

जे.जे. अस्पताल में एक्स-रे और सोनोग्राफी कराई गई। उस वक्त पता चला कि उनके पेट में एक संदिग्ध कैप्सूल है. इसके बाद डॉक्टर ने उसके पेट से ये 77 कैप्सूल निकाले। इसमें कोकीन होने की बात सामने आई। जब्त कोकीन का वजन 1,468 ग्राम है और इसकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। मुख्य आरोपी ने उसे कोकीन और हवाई जहाज के टिकट दिए। पूछताछ के दौरान डेनिस ने कोकीन को मुंबई ले जाने के लिए भुगतान करने की बात स्वीकार की थी। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह यह काम करने के लिए तैयार हो गये थे.

प्रदूषण और गंदगी से परेशान माहुलकर

मुंबई : रासायनिक कंपनियों से प्रदूषण, गंदगी की स्थिति, बुनियादी ढांचे की कमी के कारण माहुल निवासियों का जीवन रुक गया है। अभी तक हमारे सवालों का समाधान जनप्रतिनिधियों द्वारा नहीं किया गया है. वे केवल हमारी राय पूछने आते हैं; लेकिन माहुल के नाराज नागरिक पूछ रहे हैं कि समस्या का समाधान कौन करेगा. चेंबूर के वाशी नाका, माहुल गांव इलाके में टाटा पावर, बीपीसीएल, एचपीसीएल जैसी पेट्रोलियम कंपनियां हैं। ये कंपनियां लगातार हवा में जहरीली गैसें मिला रही हैं। इससे श्वसन संबंधी विकार, अस्थमा, त्वचा का काला पड़ना, पेट दर्द, फंगल रोग, आंखों में जलन आदि जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में भारी वृद्धि हुई है। वे चेंबूर, मानखुर्द, ट्रॉम्बे इलाके के लोगों तक पहुंच रहे हैं.

माहुल में, एमएमआरडीए प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों में परियोजना पीड़ितों के लिए इमारतों का निर्माण किया है; हालांकि, यहां रहने वाले नागरिकों का कहना है कि ये इमारतें नई कोंडवारा हैं। नागरिकों ने कहा कि प्रशासन इस क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में अब तक विफल रहा है. यहां के निवासियों का कहना है कि वे जहरीली गैस, बदबू, दूषित पानी और वायु प्रदूषण से जान बचाकर जी रहे हैं. हरित मध्यस्थ और न्यायालय इस बात पर सहमत हुए हैं कि इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित नहीं है। लेकिन, प्रशासन इस बात को नजरअंदाज करता नजर आ रहा है. जब लोकसभा चुनाव आते हैं तो उम्मीदवार वोट मांगते हैं, वादे करते हैं; हालाँकि, ऐसा महसूस हो रहा है कि कोई न्याय नहीं दिला रहा है।

वोट देना है या नहीं देना है?

प्रदूषण कई वर्षों से एक समस्या बनी हुई है। वायु प्रदूषण ने मेरे पिता को बीमार कर दिया और उनकी मृत्यु हो गई। हमारी मदद के लिए कोई नहीं आया. नये मतदाता अनिल पांडे ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि सवाल है कि वोट दें या नहीं.

बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चों का भी ख्याल रखना जरूरी है

माहुल क्षेत्र की हवा इस समय प्रदूषित है। इसका असर बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक पर पड़ रहा है। अस्थमा, त्वचा पर दाग जैसे विभिन्न लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। लोकमान्य तिलक अस्पताल के डॉक्टर ने कहा, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है। सविता यादव ने कहा.

मानखुर्द जहर मामले के अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

मुंबई : मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर इलाके में 19 वर्षीय प्रथमेश भोकसे की सड़क पर खाना खाने के बाद मौत हो गई। अगर मुंबई नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाई होती तो ऐसी घटना नहीं होती. लेकिन इस घटना में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी की लापरवाही सामने आई है. इसलिए, स्थानीय गर्जना संगठन ने नगर पालिका के एम पूर्व डिवीजन के सहायक आयुक्त को एक बयान में ऐसे गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर इलाके में 6 मई को सड़क पर खाना खाने से 6

लोगों की मौत हो गई. इस घटना में छह लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और इलाज के दौरान प्रथमेश भोकसे की मौत हो गई. गोरेगांव में कुछ दिन पहले शोरमा खाने से 12 लोग जहर खा गए थे. सौभाग्य से इस घटना में किसी की जान नहीं गयी. मुंबई नगर पालिका एशिया की सबसे अमीर नगर पालिका के रूप में जानी जाती है. ऐसी घटनाओं के बाद नगर पालिका जागती है और कार्रवाई का दिखावा करती है। लेकिन किसी के परिवार में छोटे बच्चे की मौत से परिवार को मानसिक और आर्थिक क्षति होती है.. मानखुर्द के महाराष्ट्र नगर इलाके में हुई घटना से पहले अगर मनपा प्रशासन ने अवैध फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई की होती तो ऐसी घटना नहीं होती . हालांकि, महाराष्ट्र शहर क्षेत्र में हुई इस घटना का मतलब है कि भोकसे की मौत गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के कारण हुई है, इसलिए गर्जना संगठन के अध्यक्ष प्रकाश बेलवाडे ने कहा कि उन्होंने नगर पालिका के एम ईस्ट डिवीजन के सहायक आयुक्त को पत्र लिखकर मांग की है कि मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

नाली सफाई कार्य में लापरवाही बरत रहे जन प्रतिनिधि

मुंबई : हर साल बारिश के वास्तविक आगमन से पहले नगर निगम के वर्षा जल चैनल विभाग के माध्यम से महानगर के बड़े नालों से कीचड निकाली जाती है। चुनाव के कारण जन प्रतिनिधियों ने इस कार्य की उपेक्षा की है. फिलहाल चुनाव प्रचार जारी है, ऐसे में सभी पार्टियों के प्रतिनिधि जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं. उधर, नगर निगम ने नाला सफाई कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई की है. अलग-अलग ठेकेदारों पर 33 लाख 83 हजार का जुर्माना लगाया गया है.. आमतौर पर मई में जब बरसात का मौसम आता था तो नाला सफाई कार्य को लेकर नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर सुनने को मिलता था. नाला सफाई कार्यों की अक्सर सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा जांच की जाती है। लेकिन इस साल कोई भी राजनेता इस काम को देखने नहीं आया है. सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष भी प्रचार-प्रसार में लगा हुआ है. उधर, नगर निगम प्रशासन का कहना है कि नाला सफाई कार्य में लापरवाही बरती जा रही है. नगर निगम प्रशासन ने 15 मार्च से 29 अप्रैल के बीच बड़े नाले से कीचड निकालने के 31 कार्यों में लापरवाही पाई है। इसलिए ठेकेदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई है और 30 लाख 83 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है. आयुक्त भूषण गगरानी ने हाल ही में नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया। मुंबई में वर्षा के अनुभव और वर्षा की तीव्रता को ध्यान में रखते हुए, नालों से उठाने के लिए आवश्यक कीचड की मात्रा का अध्ययन किया जाता है और गाद उठाने का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। इस साल मानसून से पहले कुल 10 लाख 21 हजार 782 मीट्रिक टन कीचड निकाली जा चुकी है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com